Manufacture of Submarines in India

5068. SHRI RAGHUBIR SINGH MACHHAND: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that submarines are not manufactured in India, if so, the reasons thereof;

(b) number of submarines imported by Government during the last three years and foreign exchange spent thereon; and

(c) whether Government propose to manufacture submarines indigenously or with some collaboration of some foreign country and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) to (c). Owing to lack of requisite technical know-how, it has not been possible so far to build submarines in our shipyards. Initially, construction has to be undertaken in collaboration with a foreign shipyard who is prepared to transfer the technology. Government have recognised the need for indigenous construction of submarines and technical discussions with a number of shipyards are in progress. A final decision will be taken after complete evaluation of the offers.

No submarines have been imported during the last three years.

बाई-मैटल बीयरिंग के उत्पादन के लिये बड़े औद्योगिक गृह से आवेदन-पत्र

5069. श्री विजय कुमार मल्होत्रा :

डा० बसन्त कुमार पंडित :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एल० सी० एम० आर० टी० सी० ने बड़े औद्योगिक गृहों के विस्तार तथा आर्थिक शक्तियों के जमाव पर प्रतिबन्ध लगाने की सरकार की घोषित नीति के विरुद्ध बाई-मैटल बीयरिंग के उत्पादन के बारे में टी० वी० एम० कम्पनी समूह के बड़े औद्योगिक गृह से सम्बन्ध मैसर्स सुन्दरम क्लेटन लि०, मद्रास के चेयरमैन तथा प्रबंध निदेशक के आवेदन पत्र को हाल में स्वीकार कर लिया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि मार्च, 1976 में कम्पनी कार्य विभाग ने उसके आवेदन-पत्र को अस्वीकार कर दिया था तथा टी० वी० एम० कम्पनी समूह के बड़े औद्योगिक गृह को आशयपत्र/औद्योगिक लाइसेंस देने के लिए उनके आवेदन-पत्र को पुनः स्वीकार कर लिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आभा भटवारी) : (क) से (ग) : उद्योग की हाल ही में की गई समीक्षा के आधार पर एक मामले में आशय पत्र जारी करने की सिफारिश का सुझाव दिया गया था । यह पहले स्वीकार किए गए मानदंडों में से एक है तथा पिछड़े क्षेत्रों में स्थापना स्थलों की योजनाओं पर फिर से विचार करने के लिए इसकी समीक्षा करनी पड़ी थी । क्या संबंधित आवेदक बड़े औद्योगिक गृह का है अथवा नहीं इस पर अभी निश्चय नहीं किया गया है । आवेदन पर सरकार द्वारा अभी अंतिम रूप से निर्णय किया जाना है ।

अमरीकी यूरेनियम को छड़ों में तबदील किया जाना

5070. श्री राम सेवक हजारी : क्या परमाणु ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अमरीका द्वारा भेजा गया यूरेनियम हैदराबाद में छड़ों में तबदील कर लिया गया है ; और